Regarding need for inquiry on the death of kids in `Asha Kiran` shellter home

श्री योगेन्द्र चांदोलिया (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) : माननीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

महोदय, मैं इस सदन का एक विषय की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं। आज दिल्ली के अख़बारों में, दिल्ली सरकार, जो आम आदमी पार्टी की सरकार है, उसकी लापरवाही से संबंधित खबर है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार रोहिणी सेक्टर-1 में आशा किरण मंद बुद्धि विकास गृह संचालित करती है। इसमें बड़ी संख्या में मंद बुद्धि के बालक-बालिका रहते हैं। बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि 13 बच्चों की दुखद मृत्यु पर अपनी गहरी पीड़ा और आक्रोश व्यक्त करने के लिए मैं यहां खड़ा हुआ हूं। जुलाई में कुल मरने वालों की संख्या 22 है। मैंने आज आशा किरण मंद बुद्धि विकास गृह का दौरा किया। वहां की दयनीय स्थिति को सदन में रखना चाहता हूं। आशा किरण मंद बुद्धि विकास गृह में 1200 से अधिक मंद बुद्धि के बच्चे रहते हैं, जबकि वहां पर 450-500 बच्चों से ज्यादा बच्चों के ठहराने का स्थान नहीं है। अगर स्टाफ की बात करें तो वहां पर पर्याप्त स्टाफ नहीं हैं जबकि वहां 1100 से ज्यादा बच्चे 32 डॉरमैटरीज़ में रहते हैं। एक डॉरमैटरी में 30-35 बच्चे हैं। वे भयंकर गर्मी और सफोकेशन में रहते हैं। वहां पर्याप्त वेंटिलेशन में भी नहीं है। ऐसे वातावरण में बच्चों को रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

माननीय सभापति जी, मेरी मांग यह है कि डी.एम. से इसकी जांच होनी चाहिए। दिल्ली सरकार की लापरवाही से जुलाई के महीने में, चाहे वह दिल्ली में पानी भरने से हो, करंट लगने से हो, लोगों की लगातार मृत्यु हो रही है। इन बच्चों की मृत्यु की जांच होनी चाहिए। दिल्ली की सरकार फेल हो चुकी है। जेल के द्वारा दिल्ली की सरकार नहीं चलाई जा सकती।? (व्यवधान)